International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in July 2024, ISSN -2393-8048

शैक्षिक नवाचारों के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन

कुसुम लता टाक, शोधार्थी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राज.)
डॉ. श्रद्धा सिंह चौहान (सहायक आचार्या) शोध निर्देशिका, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, सी.टी.ई. केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर (राज.)

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति की अभिवृत्ति का अध्ययन करना है। इस अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। इस अध्ययन के लिए 200 शिक्षकों का चयन न्यादर्श हेतु किया गया। शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति जानने हेतु स्वनिर्मित ''शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति मापनी'' का प्रयोग किया गया। उपकरण से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–परीक्षण के द्वारा किया गया। परिणाम में यह पाया कि उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति की अभिवृत्ति में क्षेत्र एवं संकाय के सदंर्भ में सार्थक अंतर है।

मुख्यशब्द :– शैक्षिक नवाचार, अभिवृत्ति, उच्च माध्यमिक स्तर।

प्रस्तावना

आज के समय में तकनीकी विकास और उससे उत्पन्न सामाजिक अनिवार्यताएँ तथा उभरती हुई जनाकांक्षाएँ शिक्षा के स्वरूप को तेजी से बदल रही है। बदलते हुए परिवेश में शिक्षा के उद्देश्य और साथ ही साथ शिक्षण की प्रक्रिया भी एक अत्यन्त व्यावसायिक एवं कौशलयुक्त प्रक्रिया बनती जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार एवं शिक्षण प्रक्रिया की प्रभावकारिता की वृद्धि के लिए नित्य नवीन नवाचारों का जन्म हो रहा है। शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षा के नियोजक, प्रशासक एवं शिक्षकों को इन नवाचारों को अपनाना जरूरी है क्योंकि इनके बिना वे प्रगतिशील परिवर्तन के प्रवाह में अपने को सन्तुलित नहीं रख पायेंगे और देश की भावी पीढ़ी जगत में पिछड़ जायेगी। ज्ञान, कौशल, विशिष्टता के बढ़ते हुए भण्डार को अधिकतम व्यक्तियों तक प्रभावकारी रीति से सम्प्रेषित करने हेतु आज के शिक्षक को शिक्षा संबंधी नवाचारों एवं नवीन प्रवृत्तियों से परिचित होना आवश्यक है।

वर्तमान युग तकनीकी उन्नति एवं वैज्ञानिक प्रगति का युग है, इससे शिक्षा जगत भी अछुता नहीं है। बदलते परिवेश में शिक्षा के मनोवैज्ञानिकरण हो जाने के कारण शिक्षा को बाल केन्द्रित बनाने पर बल दिया जा रहा है। बदलते परिवेश में बालकों के नैसर्गीक विकास में सहायता प्रदान करने के लिए शैक्षिक नवाचार अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के संचालक के रूप में एक शिक्षक को शैक्षिक नवाचार का अवसर प्राप्त होता है। वह कक्षा–कक्ष की जटिलताओं को दूर करने के लिए प्रचलित शैक्षिक विधियों प्रविधियों आदि का समयानुकुल प्रयोग तार्किक क्रम में करता है तथा साथ ही साथ इन विधियों के संगठनात्मक स्वरूप में थोड़ बहुत परिवर्तन कर नवाचार की प्रक्रिया को पूर्ण करता है। इससे वह अपने कक्षागत जटिलताओं को दूर कर अपने षिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को सरल, सुगम तथा सुग्राह्य बना कर अपने शिक्षण कार्य की प्रभावशीलता को बढ़ाता है। यहाँ नवाचार से तात्पर्य सवर्था नवीन तकनीकों एवं विधियों के विकास से ही नहीं होता है वरन् कक्षा की शैक्षणिक जटिलताओं को दूर करने के लिए प्रचलित विधियों, तकनीकों आदि का समयानुकुल तर्किक प्रयोग, आंशिक प्रयोग अथवा परिवर्तन भी शैक्षिक नवाचार कहलाता है।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

- **शर्मा, सुमन देवी (2023)** ने वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की भूमिका का अध्ययन किया। इन्होंने अपने अध्ययन में बताया कि बालक अपने नवीन ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान का सृजन करता है। इसका निहितार्थ है कि पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकें शिक्षक को इस बात के लिए सक्षम बनाये कि बच्चों की प्रकृति और वातावरण के अनुरुप विद्यालय में गतिविधि एवं अनुभव आधारित कार्यक्रम आयोजित करें ताकि सभी बच्चों को विकास के अवसर मिल सकें। सक्रिय गतिविधि के जरिये बच्चे अपने आसपास की दुनिया को समझने की कोशिश करते है इसलिए प्रत्येक साधन का उपयोग इस प्रकार किया जाना चाहिए कि बच्चे को स्वयं को अभिव्यक्त करने में और स्वस्थ रूप से विकसित होने में मदद मिलें। इन नवाचारी शिक्षण पद्धतियों के प्रयोग से बच्चों को चहुँमुखी विकास के अवसर प्राप्त हो सकें। शैक्षिक नवाचार शिक्षा की विकासोन्मुख रहने वाली प्रक्रिया को प्रदर्शित करने वाली एक नवीन अवधारणा है। नवाचार का प्रयोग वैज्ञानिक विकास के युग में शैक्षिक तकनीकी के नवीन प्रावधानों के कारण शैक्षिक नवाचार का महत्व बढ़ गया है। अन्तर्राष्ट्रीयता, वैश्वीकरण और जनसंचार के आधुनिक संसाधनों ने इसे आज के युग की एक आवश्यकता के रूप में स्थापित कर दिया है। नवाचार परिवर्तन तक सीमित नहीं होते।

समाज में भी प्रतिक्षण परिवर्तन हो रहा है।

- **सूत्रधार, प्रबीर (2023)** ने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचार पर अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचार के आधुनिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर देना है और कैसे नवीन अभ्यास शिक्षकों को वर्तमान शिक्षा प्रणाली में उनके व्यवसाय या व्यावसायिक विकास को प्राप्त करने में मदद करता है। अध्ययन में यह पाया कि नवाचार सेवा–पूर्व और सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा के हर पहलू जैसे कार्यप्रणाली, पहचान, अनुसंधान, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन या आकलन पर निर्भर करता है। शिक्षक शिक्षा में नवाचार एक गुणवत्ता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो शिक्षकों की क्षमता, दक्षता, सुविधा और योग्यता में सुधार से संबंधित है जो शिक्षकों को पेशेवर सुधार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुशल और सशक्त बनाएगा और मौजूदा बाधाओं का सामना करने में मदद करेगा। शिक्षक मुख्य रूप से प्राधिकारी हैं और शिक्षक शिक्षा में नवाचार वर्तमान शिक्षा कार्यक्रम में प्रासंगिक है। नवाचार के बिना शिक्षक शिक्षा की प्रगति संभव नहीं है। आम तौर पर, शिक्षक शिक्षा में नवाचारों में साक्षरता, लाइव चार्ट, कार्यशालाएँ, टेलीकांफ्रेंसिंग आदि शामिल हैं। अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचार शिक्षकों का समग्र सुधार है जो अंततः शिक्षक स्वयं और समाज का विकास करता है।
- **बिष्ट, भावना (2022)** ने शिक्षक शिक्षा में उभरते रुझान और नवाचारः भविष्य की कक्षा पर अध्ययन किया। प्रस्तुत अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि नई सहस्राब्दी चुनौतियों से भरी है, तदनुसार शिक्षक शिक्षा में भी कई बदलावों की आवश्यकता है। शिक्षक प्रशिक्षकों को आज नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में बहुत सारे बदलाव और गहन प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम का अंतिम लक्ष्य कुशल और गतिशील शिक्षकों का निर्माण करना होना चाहिए, जो शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न रणनीतियों का उपयोग कर सकें। कक्षा के माहौल और मनोदशा को बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है यदि कक्षा की संस्कृति सकारात्मक है तो निश्चित रूप से हम कक्षा में प्रामाणिक शिक्षा ला सकते हैं, हम अपने छात्रों को अधिक अवसर दे सकते हैं और हम छात्रों को न केवल सामग्री के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ने की अनुमति देते हैं। लेकिन साथियों और अपने शिक्षकों के साथ उच्च शिक्षा एक अंतरराष्ट्रीय सेवा के रूप में विकसित हो रही है और उच्च गुणवत्ता, मानकों और मान्यता की मांग करती है। नवीन शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए, पाठ्यक्रम को एक कुशल और संपूर्ण विकास से गुजरना होगा, जहाँ शिक्षक छात्रों की विविध आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न नवीन शिक्षण रणनीतियों को अपना सकते हैं। वास्तव में समय के साथ प्रौद्योगिकियों को अपनाने का समय आ गया है।

अध्ययन का औचित्य

वर्तमान युग में तकनीकी का प्रभाव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें दिखाई देता है। आज तकनीकी के बिना समाज की कल्पना करना असंभव है। तकनीकी का व्यापक प्रयोग षिक्षा में भी देखने को मिलता है, जिसे नवाचार के नाम से संबोधित किया जाता है। शिक्षा में बदलाव करने से बच्चों को नया सीखने को मिलेगा। नवाचारी शिक्षा से तकनीकी के क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। नवाचारी शिक्षा से बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टि से और औद्योगिक दृष्टि से नये नये तरीकों को समझने और सीखने के लिए स्कूलों में लाया जा सकता है। शिक्षा में नवीकरण करने से बच्चों का विकास किया जा सकता है। उनके सोचने और समझने की शक्ति को बढ़ाया जा सकता है और उनके आचार और व्यवहार में भी बदलाव करके उन्हें एक सशक्त पद्धति का आचरण सिखाया जा सकता है। नवाचार के महत्व को ध्यान में रखते हुए ही शोधार्थी ने **''शैक्षिक नवाचारों के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन''** पर अध्ययन करने का निर्णय लिया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में

सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

2 उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध अभिकल्प

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के 200 शिक्षकों का चयन न्यादर्ष हेतु किया गया। शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति जानने हेतु स्वनिर्मित ''शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति मापनी'' का प्रयोग किया गया। उपकरण से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–परीक्षण के द्वारा किया गया।

आंकडों का विष्लेषण

परिकल्पना 1 – उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका : 1

उच्च माध्यमिक स्तर के षहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी–मान	परिणाम
शहरी शिक्षक	100	78.64	8.47	5.62	अस्वीकृत
ग्रामीण शिक्षक	100	71.33	9.86		

विश्लेषण व व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 78.64 और प्रमाप विचलन 8.47 है, जबकि ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 71.33 और प्रमाप विचलन 9.86 है, मध्यमान और प्रमाप विचलन से 'टी' मान 5.62 प्राप्त हुआ, जो कि स्वतंत्रता के अंश 198 और 0.05 सार्थकता स्तर पर उपलब्ध तालिका मान 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकार की जाती है अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर के षहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है।

आरेख : 1

उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान एवं प्रमाप विचलन

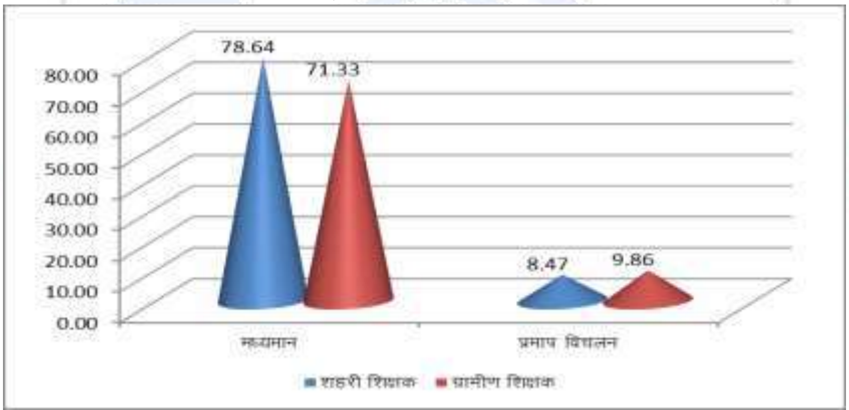

परिकल्पना 2 – उच्च माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका : 2

उच्च माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी–मान	परिणाम
कला संकाय के शिक्षक	100	69.18	6.19	5.72	अस्वीकृत
विज्ञान संकाय के शिक्षक	100	76.29	10.78		

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in July 2024, ISSN -2393-8048

विश्लेषण व व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के कला संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 69.18 और प्रमाप विचलन 6.19 है, जबकि विज्ञान संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 76.29 और प्रमाप विचलन 10.78 है, मध्यमान और प्रमाप विचलन से 'टी' मान 5.72 प्राप्त हुआ, जो कि स्वतंत्रता के अंश 198 और 0.05 सार्थकता स्तर पर उपलब्ध तालिका मान 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकार की जाती है अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है।

आरेख : 2

उच्च माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान एवं प्रमाप विचलन

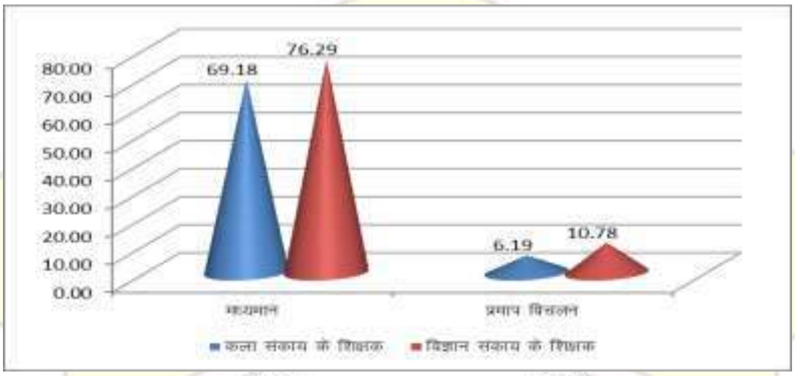

निष्कर्ष

1. उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान एवं कला संकाय के शिक्षकों की शैक्षिक नवाचारों के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया।

सुझाव

- शिक्षण विधियों के स्तर में सुधार करना आवश्यक है और साथ ही नवाचार के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना भी आवष्यक है ताकि विद्यार्थी का प्रदर्शन और सीखने की प्रवृत्ति समय के और अनुसार बढ़े।
- शिक्षा में बेहतर गुणवत्ता के लिए पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जिसमें नवाचारी विधियों के प्रयोग किया जा सके।
- विद्यालय में नवाचारी कार्यक्रमों पर कार्यषालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।
- आईसीटी को एक अनिवार्य और विशेष पाठ्यक्रम के रूप में सम्मिलित किया जाना चाहिए और इसे सभी अन्य विषयों के पाठ्यक्रमों के साथ एक एकीकृत किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

- बिष्ट, भावना (2022). शिक्षक शिक्षा में उभरते रुझान और नवाचारः भविष्य की कक्षा पर अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थोट्स,* 10(5), 436–44.
- जीत, योगेन्द्र भाई (2006). *शिक्षा में नवाचार और नवीन प्रवृत्तियाँ,* आगरा :विनोद पुस्तक मन्दिर।
- पाठक, आरती (2022). सीखने में नवाचार के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक आर्थिक विकास पर अध्ययन। *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलोजी,* 10(1), 528–531.
- शर्मा, सुमन देवी (2023). वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की भूमिका का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एज्येकेशन, मोर्डन मैनेजमेन्ट, एप्लाइड साइन्स एण्ड सोशल साइन्स,* 5(1), 97–100.
- सिंह, राजीव रंजन (2019). शिक्षकों हेतु नवाचार की आवश्यकता एवं महत्व पर अध्ययन। *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलोजी एण्ड इनोवेटिव रिसर्च,* 6(5), 487–489.
- सूत्रधार, प्रबीर (2023). शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचार पर अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी एजूकेशनल रिसर्च,* 12(1), 37–41.
- त्रिवेदी, आर.एन. एवं शुक्ला, डी.पी. (2008). *रिसर्च मैथडोलॉजी.* जयपुर : कॉलेज बुक डिपो।